

कौशाम्बी संदेश

गैर बिरादरी की लड़की से अवैध संबंधों में युवक की हुई थी हत्या

पुलिस ने हत्या में शामिल पांच आरोपियों को आलाक्तल के साथ किया गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश



बिरादरी के लोग उससे दुश्मनी मानते थे वीर को बुलाने के बाद उसके बेरहमी से कत्ल कर पुणे इंट भड़े के पास झाड़ियों में उसको रक्ख रखते थे जिससे गैर

पुलिस ने लाश बरामद कर लिया है वीर की हत्या के आरोप में पपू पुत्र रामनाथ सौन उर्फ सोना पुत्र लल्लू बबल थमें अंगद को आला कत्ल के साथ पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम के माध्यम से दी गयी जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी



कौशाम्बी। जनपद की ग्राम पंचायत-करिया, सैदनपुर, सिकन्दरपुर बजाहां, सरायं युसुफ, कनैली, लौगावां, रुनानपुर, इडहरा, लोहरा, रसलपुर टप्पा, महेंपुर एवं जाफरपुर महावां में विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी तथा छूटे हुए पत्र लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया गया। कार्यक्रम में बैंक के स्टॉल के माध्यम से कृषकों की ही केवाईसी, आधार सीडिंग, कर्सीसी एवं लोन से सब्सिडित अन्य सम्पत्तियों का निपत्रण किया गया। किसानों को राशायनिक उर्वरकों के वैकल्पिक उर्वरकों वथ-गैरो यूरियां के विषय एवं कृषि विभाग आदि विभागों के स्टॉल भी लगाये गये। स्वास्थ्य विभाग एवं कृषि विभाग आदि विभागों के स्टॉल भी लगाये गये। हमेरी कहानी में योजनाओं के तहत विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों ने योजना के लाभ से जीवन में अयोध्या विवरतन एवं उन्नति का अनुभव सभी से साझा किया। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामवासियों ने प्रधानमंत्री का रिकार्ड किया गया सदैश भी सुना।

न्यूज झारोखा

दिव्यांग बच्चों को दिया गया उपकरण उपस्कर



कुंडा नेत्र शिविर में कौशाम्बी के लोगों ने भी कराई जांच



भरवारी कौशाम्बी प्रतापगढ़ के कुंडा क्षेत्र के हिंदू संगठन के तहत विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को तहत विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों ने योजना के लाभ से जीवन में अयोध्या विवरतन एवं उन्नति का अनुभव सभी से साझा किया। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामवासियों ने प्रधानमंत्री का रिकार्ड किया गया सदैश भी सुना।

उसके अपासने के बाद लोगों ने भी अपने नेत्र की परीक्षण कराई है। इस नेत्र शिविर में 500 लोगों के नेतृत्वे जांच कुशल नेत्र विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा की गई जिसमें लगभग 200 लोगों के नेतृत्वे जांच कुशल नेत्र विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा किए गए नेत्र अपासने के बाद लोगों को नई जिंदगी मिली है। इस नेत्र शिविर में जनसत्ता दल पार्टी के प्रधान महाराष्ट्र एवं पूर्व संसद सैनेंट कुशल नेत्र विधायक विनोद दल पार्टी प्रमुख राम चंद्र के शिक्षकों द्वारा जारी रखी गयी विधायक विनोद दल पार्टी के नेत्र शिविर के आयोजन किया गया था। इस नेत्र शिविर में कौशाम्बी जनपद के भरवारी और उसके अपासने के बाद लोगों को नई जिंदगी मिली है।

उसके अपासने के बाद लोगों ने भी अपने नेत्र की परीक्षण कराई है। इस नेत्र शिविर में 500 लोगों के नेतृत्वे जांच कुशल नेत्र विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा की गई जिसमें लगभग 200 लोगों के नेतृत्वे जांच कुशल नेत्र विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा किए गए नेत्र अपासने के बाद लोगों को नई जिंदगी मिली है। इस नेत्र शिविर में जनसत्ता दल पार्टी के प्रधान महाराष्ट्र एवं पूर्व संसद सैनेंट कुशल नेत्र विधायक विनोद दल पार्टी प्रमुख राम चंद्र के शिक्षकों द्वारा जारी रखी गयी विधायक विनोद दल पार्टी के नेत्र शिविर के आयोजन किया गया था। इस नेत्र शिविर में कौशाम्बी जनपद के भरवारी और उसके अपासने के बाद लोगों को नई जिंदगी मिली है।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 9 दिसंबर को

कौशाम्बी राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, हिंदू दिल्ली व उ.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में जांच कुशल नेत्र विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा की गई जिसमें लगभग 200 लोगों के नेतृत्वे जांच कुशल नेत्र विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा किए गए नेत्र अपासने के बाद लोगों को नई जिंदगी मिली है। इस नेत्र शिविर में जनसत्ता दल पार्टी के प्रधान महाराष्ट्र एवं पूर्व संसद सैनेंट कुशल नेत्र विधायक विनोद दल पार्टी प्रमुख राम चंद्र के शिक्षकों द्वारा जारी रखी गयी विधायक विनोद दल पार्टी के नेत्र शिविर के आयोजन किया गया था। इस नेत्र शिविर में कौशाम्बी जनपद के भरवारी और उसके अपासने के बाद लोगों को नई जिंदगी मिली है।

अधिशासी अधिकारी पर आयोग ने लगाया 25000 का जुर्माना

गोवायांक जौशाम्बी। जन सूचना अधिकारी के अधिकारी विवरण के तहत नगर पंचायत-जमाल मऊ, कोतारी पश्चिम, सुखदा, किशनगुर अम्बारी, धरमपुर, नगरेहा कला, मलाक भायल, लहना, अरई सुमेरपुर, चिरारी, छेंकवा एवं पुनवार में 02 बजे से 3:40 बजे तक दिनांक 09 दिसंबर 2023 को हवायिक सित भारत संकल्प यात्राकारी कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। विवरित किया गया अधिकारी कार्यक्रम में सरकार की विभिन्न उर्वरकों के वैकल्पिक उर्वरकों वथ-गैरो यूरियां के विषय एवं कृषि विभाग आदि विभागों के स्टॉल के बाद लोगों के लाभान्वित किया जायेगा। यह जांच की गयी विधायक विनोद दल पार्टी के नेत्र शिविर के आयोजन किया जायेगा। यह जांच की गयी विधायक विनोद दल पार्टी के नेत्र शिविर में कौशाम्बी जनपद के भरवारी और उसके अपासने के बाद लोगों को नई जिंदगी मिली है।

तीन वारंटी अभियुक्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार

कौशाम्बी। आना कड़ाधाम और महेवाहां पुलिस टीम द्वारा तीन वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी की गयी विधायक विनोद दल पार्टी के नेत्र शिविर में जांच कुशल नेत्र विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा की गई जिसमें लगभग 200 लोगों के नेतृत्वे जांच कुशल नेत्र विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा किए गए नेत्र अपासने के बाद लोगों को नई जिंदगी मिली है। इस नेत्र शिविर में जनसत्ता दल पार्टी के प्रधान महाराष्ट्र एवं पूर्व संसद सैनेंट कुशल नेत्र विधायक विनोद दल पार्टी प्रमुख राम चंद्र के शिक्षकों द्वारा जारी रखी गयी विधायक विनोद दल पार्टी के नेत्र शिविर के आयोजन किया जायेगा। यह जांच की गयी विधायक विनोद दल पार्टी के नेत्र शिविर में कौशाम्बी जनपद के भरवारी और उसके अपासने के बाद लोगों को नई जिंदगी मिली है।

तीन वारंटी अभियुक्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार

कौशाम्बी। आना कड़ाधाम और महेवाहां पुलिस टीम द्वारा तीन वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी की गयी विधायक विनोद दल पार्टी के नेत्र शिविर में जांच कुशल नेत्र विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा की गई जिसमें लगभग 200 लोगों के नेतृत्वे जांच कुशल नेत्र विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा किए गए नेत्र अपासने के बाद लोगों को नई जिंदगी मिली है। इस नेत्र शिविर में जनसत्ता दल पार्टी के प्रधान महाराष्ट्र एवं पूर्व संसद सैनेंट कुशल नेत्र विधायक विनोद दल पार्टी प्रमुख राम चंद्र के शिक्षकों द्वारा जारी रखी गयी विधायक विनोद दल पार्टी के नेत्र शिविर के आयोजन किया जायेगा। यह जांच की गयी विधायक विनोद दल पार्टी के नेत्र शिविर में कौशाम्बी जनपद के भरवारी और उसके अपासने के बाद लोगों को नई जिंदगी मिली है।

दुर्घटना के मामले में अभियुक्त को सुनाई गई सजा

कौशाम्बी। सराय अधिकारी पर आयोग ने किया गि�रफ्तार

कौशाम्बी। महेवाहां वीरोंद्ध दिल्ली व उ.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में जांच कुशल नेत्र विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा की गई जिसमें लगभग 200 लोगों के नेतृत्वे जांच कुशल नेत्र विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा किए गए नेत्र अपासने के बाद लोगों को नई जिंदगी मिली है।

समस्त थाना पुलिस ने पैदल गत्स कर सुरक्षा व्यवस्था का लिया जाया

कौशाम्बी। शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु समस्त थाना पुलिस ने क्षेत्र में पैदल गत्स कर लिया जाया गया।

समस्त थाना पुलिस ने क्षेत्र में पैदल गत्स कर सुरक्षा व्यवस्था का लिया जाया गया।

समस्त थाना पुलिस ने क्षेत्र में पैदल गत्स कर सुरक्षा व्यवस्था का लिया जाया गया।

समस्त थाना पुलिस ने क्षेत्र में पैदल गत्स कर सुरक्षा व्यवस्था का लिया जाया गया।

समस्त थाना पुलिस ने क्षेत्र में पैदल गत्स कर सुरक्षा व्यवस्था का लिया जाया गया।</p

संपादक की कलम से

नेहरू पर लंबे विमर्श की जरूरत

विधानसभा चुनावों के परिणामों से गदगद प्रधानमंत्री ने नेहरू मोदी ने संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन विषयी सांसदों को नसीहत दी थी कि वे सकारात्मक रहें, हार का गुस्सा संसद में न उतारें। विपक्ष के साथ-साथ शायद श्री मोदी को अब अपने सांसदों को भी नसीहत दे दी चाहिए कि जब जनत लगातार हम (भाजपा) पर भरोसा दिखा रही है, तो अब उस भरोसे पर उत्तरने के काबिल खुद को बनाएं और बार-बार नेहरू की बुराइयां तलाशना बंद करें। दरअसल बुधवार को संसद में एक बार फिर पं.नेहरू को कोसा गया। लोकसभा ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संसोधन) विधेयक परित कर दिया और इस दौरान गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि पीओके और कर्सरों के मसले को संयुक्त राष्ट्र में ले जाना नेहरूजी की बड़ी भूल थी। इसके साथ ही श्री शाह ने नेहरू के साथ ब्लंडर बद का इस्तेमाल करते हुए वे भी कहा कि कश्मीर में जनपत्र संग्रह के प्रस्ताव के लिए नेहरू ही जिम्मेदार थे।

देश के पहले प्रधानमंत्री पं.नेहरू को संसद में इस तरह पहली बार नहीं कोसा गया है। खुद श्री मोदी संसद के भीतर यह टिप्पणी कर चुके हैं कि गांधी परिवार के लोग नेहरू उपनाम को नहीं लगाते, उन्हें नेहरू उपनाम से शर्मिंदगी को होती है। देश के प्रधानमंत्री पद पर बैठे व्यक्ति के मुंह से ऐसी टिप्पणी अशोभनीय थी, लेकिन इस पर किसी तरह का कोई अफसोस नहीं देखा गया। जबकि दुनिया भर के नेता पं.नेहरू की उदार, शारीरिक, लोकतांत्रिक नीतियों, बुद्धिमत्ता और नेतृत्व क्षमता का लोको मानते थे।

अमेरिकी में ट्रंप सरकार के कार्यकाल में हुए हाउटी मोदी कार्यक्रम में अमेरिकी सेनेट स्टेनी हॉयर ने श्री मोदी के सामने पं.नेहरू और गांधीजी को बाद दिया था। पिछले साल सिंगापुर की संसद में पीएम ली सीन लंग ने जवाहरलाल नेहरू की तारीफ करते हुए कहा था कि देश में लोकतंत्र को कैसे काम करना चाहिए। वे कुछ मिसाल हैं, जो बताती हैं कि मौत की आधी सदी गुरुज जाने के बाद भी नेहरू जी को लोग सम्मानर्वक याद करते हैं। भाजपा वैचारिक मरमेंदों के कारण भले ही नेहरूजी को याद न करे, लेकिन इस तरह झूठे तथ्यों के साथ उनकी गलतियां गिनाकर उनका अपमान करना भी गलत है।

अमित शाह के संसद में नेहरूजी पर लगाए इल्जाम से पहले विधानसभा चुनावों के नेताजों वाले जिन भाजपा के टिप्पटर हैं डल पर नेहरूजी की एक तस्वीर प्रकाशित की गई थी, जिसमें वे एक महिला के साथ सिंगरेट पीटे दिख रहे हैं। सिंगरेट पीना कोई अच्छी बात नहीं है, लेकिन ये उस दौर की बात है जब सार्वजनिक धूमपान किया जाता था। अप उस अदात की आलोचना कर सकते हैं, लेकिन भाजपा ने चरित्रहन के लिए जिम्मेदार तात्पुरता के साथ चाहीना है। जब भाजपा जीत रही थी, उस वक्त अपनी खुशी जाहिर करने के लिए क्या उसे यहीं रही था, या फिर इसका कोई और मकसद था। और अभी संसद में फिर से नेहरूजी के जिम्मे गलतियां थोक कर भी भाजपा क्या हासिल करना चाहती है, यह समझना होगा।

जम्मू-कश्मीर में विशेष राज्य का दर्जा समाप्त हो चुका है, अनुच्छेद 370 मोदी सरकार ने हटा दिया है, राज्य दो हिस्सों में बंट गया है, लेकिन अब बत्त वहां चुनाव नहीं कराए गए हैं। सरकार सब कुछ समान्य होने का दावा करती है, तो फिर अब चुनाव करने का फैसला करें वालों को नहीं देखता है। कश्मीर के हालात के लिए नेहरूजी पर सारी जिम्मेदारियों से कैसे बरी हुआ जा सकता है, ये सवाल भाजपा से पूछा जाना चाहिए। संसद में नेहरू के दो तथाकथित ब्लंडर जब श्री शाह गिना रहे थे, तो वे शायद इस तथ्य को भूल गए कि कश्मीर मसले पर अकेले नेहरू काम नहीं कर रहे थे, इतिहास में डर्ज है कि इसमें सरदार पटेल, लाई मार्टंबेटन, शेख अब्दुल्ला, वी के कृष्ण मेनन इन सबकी अहम भूमिकाएँ थीं। भाजपा अब इतिहास के पनों को पलटेगी तो देखेगा कि जिनमान संग्रह का प्रस्ताव नेहरू की ओर से पहले नहीं आया था। इस मामले में भारत के तत्कालीन गवर्नर जनरल मार्टंबेटन ने मोहम्मद अली जिन्ना से भी मुलाकात की थी, जिसके बाद 2 नवंबर 1947 को नेहरू को लिखे एक खत में निर्मित जिन्ना को बांधा था। इसकी मिस्टर जिन्ना से पूछा कि आप कश्मीर में जनमत संग्रह का इतना विरोध करते हैं। उन्होंने उत्तर दिया: कारण यह है कि कश्मीर पर भारतीय उपनिवेश का अधिकार होते हुए और शेख अब्दुल्ला के नेतृत्व में नेशनल कांग्रेस के वहां सत्तारूढ़ होते हुए, वहां के मुख्यमानों पर प्रचार और दबाव का एसा जार डाला जाएगा कि आप कश्मीर मसले पर अकेले नेहरू काम नहीं कर रहे थे, इतिहास में डर्ज है कि इसमें सरदार पटेल, लाई मार्टंबेटन, शेख अब्दुल्ला, वी के कृष्ण मेनन इन सबकी अहम भूमिकाएँ थीं। भाजपा अब इतिहास के पनों को पलटेगी तो देखेगा कि जिनमान संग्रह का प्रस्ताव नेहरू की ओर से पहले नहीं आया था। इस मामले में भारत के तत्कालीन गवर्नर जनरल मार्टंबेटन ने मोहम्मद अली जिन्ना से भी मुलाकात की थी, जिसके बाद 2 नवंबर 1947 को नेहरू को लिखे एक खत में निर्मित जिन्ना को बांधा था। इसकी मिस्टर जिन्ना से पूछा कि आप कश्मीर में जनमत संग्रह का इतना विरोध करते हैं। उन्होंने उत्तर दिया: कारण यह है कि कश्मीर पर भारतीय उपनिवेश का अधिकार होते हुए और शेख अब्दुल्ला के नेतृत्व में नेशनल कांग्रेस के वहां सत्तारूढ़ होते हुए, वहां के मुख्यमानों पर प्रचार और दबाव का एसा जार डाला जाएगा कि आप कश्मीर मसले पर अकेले नेहरू काम नहीं कर रहे थे, इतिहास में डर्ज है कि इसमें सरदार पटेल, लाई मार्टंबेटन, शेख अब्दुल्ला, वी के कृष्ण मेनन इन सबकी अहम भूमिकाएँ थीं। भाजपा अब इतिहास के पनों को पलटेगी तो देखेगा कि जिनमान संग्रह का प्रस्ताव नेहरू की ओर से पहले नहीं आया था। इस मामले में भारत के तत्कालीन गवर्नर जनरल मार्टंबेटन ने मोहम्मद अली जिन्ना से भी मुलाकात की थी, जिसके बाद 2 नवंबर 1947 को नेहरू को लिखे एक खत में निर्मित जिन्ना को बांधा था। इसकी मिस्टर जिन्ना से पूछा कि आप कश्मीर में जनमत संग्रह का इतना विरोध करते हैं। उन्होंने उत्तर दिया: कारण यह है कि कश्मीर पर भारतीय उपनिवेश का अधिकार होते हुए और शेख अब्दुल्ला के नेतृत्व में नेशनल कांग्रेस के वहां सत्तारूढ़ होते हुए, वहां के मुख्यमानों पर प्रचार और दबाव का एसा जार डाला जाएगा कि आप कश्मीर मसले पर अकेले नेहरू काम नहीं कर रहे थे, इतिहास में डर्ज है कि इसमें सरदार पटेल, लाई मार्टंबेटन, शेख अब्दुल्ला, वी के कृष्ण मेनन इन सबकी अहम भूमिकाएँ थीं। भाजपा अब इतिहास के पनों को पलटेगी तो देखेगा कि जिनमान संग्रह का प्रस्ताव नेहरू की ओर से पहले नहीं आया था। इस मामले में भारत के तत्कालीन गवर्नर जनरल मार्टंबेटन ने मोहम्मद अली जिन्ना से भी मुलाकात की थी, जिसके बाद 2 नवंबर 1947 को नेहरू को लिखे एक खत में निर्मित जिन्ना को बांधा था। इसकी मिस्टर जिन्ना से पूछा कि आप कश्मीर में जनमत संग्रह का इतना विरोध करते हैं। उन्होंने उत्तर दिया: कारण यह है कि कश्मीर पर भारतीय उपनिवेश का अधिकार होते हुए और शेख अब्दुल्ला के नेतृत्व में नेशनल कांग्रेस के वहां सत्तारूढ़ होते हुए, वहां के मुख्यमानों पर प्रचार और दबाव का एसा जार डाला जाएगा कि आप कश्मीर मसले पर अकेले नेहरू काम नहीं कर रहे थे, इतिहास में डर्ज है कि इसमें सरदार पटेल, लाई मार्टंबेटन, शेख अब्दुल्ला, वी के कृष्ण मेनन इन सबकी अहम भूमिकाएँ थीं। भाजपा अब इतिहास के पनों को पलटेगी तो देखेगा कि जिनमान संग्रह का प्रस्ताव नेहरू की ओर से पहले नहीं आया था। इस मामले में भारत के तत्कालीन गवर्नर जनरल मार्टंबेटन ने मोहम्मद अली जिन्ना से भी मुलाकात की थी, जिसके बाद 2 नवंबर 1947 को नेहरू को लिखे एक खत में निर्मित जिन्ना को बांधा था। इसकी मिस्टर जिन्ना से पूछा कि आप कश्मीर में जनमत संग्रह का इतना विरोध करते हैं। उन्होंने उत्तर दिया: कारण यह है कि कश्मीर पर भारतीय उपनिवेश का अधिकार होते हुए और शेख अब्दुल्ला के नेतृत्व में नेशनल कांग्रेस के वहां सत्तारूढ़ होते हुए, वहां के मुख्यमानों पर प्रचार और दबाव का एसा जार डाला जाएगा कि आप कश्मीर मसले पर अकेले नेहरू काम नहीं कर रहे थे, इतिहास में डर्ज है कि इसमें सरदार पटेल, लाई मार्टंबेटन, शेख अब्दुल्ला, वी के कृष्ण मेनन इन सबकी अहम भूमिकाएँ थीं। भाजपा अब इतिहास के पनों को पलटेगी तो देखेगा कि जिनमान संग्रह का प्रस्ताव नेहरू की ओर से पहले नहीं आया था। इस मामले में भारत के तत्कालीन गवर्नर जनरल मार्टंबेटन ने मोहम्मद अली जिन्ना से भी मुलाकात की थी, जिसके बाद 2 नवंबर 1947 को नेहरू को लिखे एक खत में निर्मित जिन्ना को बांधा था। इसकी मिस्टर जिन्ना से पूछा कि आप कश्मीर में जनमत संग्रह का इतना विरोध करते हैं। उन्होंने उत्तर दिया: कारण यह है कि कश्मीर पर भारतीय उपनिवेश का अधिकार होते हुए और शेख अब्दुल्ला के नेतृत्व में नेशनल कांग्रेस के वहां सत्तारूढ़ होते हुए, वहां के मुख्यमानों पर प्रचार और दबाव का एसा जार डाला जाएगा कि आप कश्मीर मसले पर अकेले नेहरू काम नहीं कर रहे थे, इतिहास में डर्ज है कि इसमें सरदार पटेल, लाई मार्टंबेटन, शेख अब्दुल्ला, वी के कृष्ण मेनन इन सबकी अहम भूमिकाएँ थीं। भाजपा अब इतिहास के पनों को पलटेगी तो देखेगा कि जिनमान संग्रह का प्रस्ताव नेहरू की ओर से पहले नहीं आया था। इस मामले में भारत के तत्कालीन गवर्नर जनरल मार्टंबेटन ने मोहम्मद अली जिन्ना से भी मुलाकात की थी, जिसके बाद 2 नवंबर 1947 को नेहरू को लिखे एक खत में निर्मित जिन्ना को बांधा था। इसकी मिस्टर जिन्ना से पूछा कि आप कश्मीर में जनमत संग्रह का इतना विरोध करते हैं। उन्होंने उत्तर दिया: कारण

